भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5165

24 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: तमिलनाडु में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन का कार्यान्वयन

5165 श्री सेल्वम जी:

श्री नवसकनी के:

श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार तमिलनाडु में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) का कार्यान्वयन कर रही है और यदि हां, तो उक्त मिशन के उद्देश्य, राज्य में कवरेज और घटक क्या हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में एनबीएचएम के अंतर्गत जिला-वार कितने लाभार्थियों, मधुमक्खीपालन संकुलों, शहद प्रसंस्करण इकाइयों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता प्रदान की गई है;

(ग) क्या सरकार ने राज्य में छोटे और सीमांत किसानों की आय में वृद्धि, फसल परागण और आजीविका विविधीकरण के संबंध में एनबीएचएम के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो इसके क्या निष्कर्ष निकले हैं;

(घ) तमिलनाडु के मधुमक्खीपालकों के लिए गुणवत्तापूर्ण मधुमक्खी कॉलोनियों, आधुनिक उपकरणों, परीक्षण और प्रमाणन सुविधाओं, ब्रांडिंग और बाजार संपर्क तक पहुंच को सुदृढ़ करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ङ) राज्य में वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन और मूल्यवर्धन का और विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार तमिलनाडु सहित देश में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के समग्र विकास और मधुमक्खी पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) के माध्यम से एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) को कार्यान्वित कर रहा है। एनबीएचएम के अंतर्गत तीन मिनी-मिशनों के निम्नलिखित घटक हैं।

i. मिनी मिशन-I: एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केन्द्रों (आईबीडीसी), शहद परीक्षण प्रयोगशालाओं, मधुमक्खी रोग निदान प्रयोगशालाओं, न्यूक्लियर स्टॉक विकास केन्द्रों, मधुमक्खी ब्रीडर्स की स्थापना, मानव संसाधन विकास (एचआरडी)/क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, मधुमक्खी पालन के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण आदि।

ii. मिनी मिशन-II: संग्रहण, ट्रेडिंग, ब्रांडिंग, मूल्यवर्धन, मार्केटिंग केन्द्र, शहद प्रोसेसिंग प्लांट्स, स्टोरेज आदि की स्थापना।

iii. मिनी मिशन-III: अनुसंधान और विकास (आर एंड डी)।

(ख): पिछले 3 वर्षों में चेन्नई जिले में तमिलनाडु बागवानी विकास एजेंसी)तनहोडा) और चेंगालपट्टू जिले में कृषि विज्ञान केंद्र)केवीके) द्वारा एनबीएचएम के तहत समर्थित वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर आयोजित 8 प्रशिक्षणों के माध्यम से 200 मधुमक्खी पालकोंलाभार्थियों ने लाभ प्राप्त किया।/ इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयम्बटूर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/सेमीनार कार्यक्रमों के लाभार्थियों का ब्यौरा भी नीचे दिया गया है।

कार्यक्रम	**जिले**	**लाभार्थियों की संख्या**
04 राज्य स्तरीय सेमिनार	कोयंबटूर, मदुरै, किल्लीकुलम और त्रिची	1000
15 जिला स्तरीय सेमिनार	तिरुवरूर, कुड्डालोर, विरुधुनगर, वेल्लोर, थेनी, धर्मपुरी, सेलम, तंजावुर, पुडुकोट्टई, ऊटी, विल्लुपुरम, तिरुपुर, कन्याकुमारी और तिरुवल्लूर	2250
18 राज्य स्तरीय प्रशिक्षण	कोयंबटूर, मदुरै, तूतीकोरिन, त्रिची, विरुधुनगर, वेल्लोर, तिरुवरूर, सलेम, ऊटी, विल्लुपुरम, पुडुकोट्टई, धर्मपुरी, तिरुपुर, कुड्डालोर, कन्याकुमारी और तिरुवल्लूर	450
केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को 04 प्रशिक्षण	मदुरै, शिवगंगा, चेन्नई और तिरुवल्लूर	200

(ग): प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई), गुड़गांव, हरियाणा द्वारा एनबीएचएम के थर्ड-पार्टी मूल्यांकन अध्ययन से पता चला है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम मधुमक्खी पालन के साथ-साथ परागण (पॉलीनेशन) प्रबंधन से संबंधित अधिकांश पहलुओं को कवर करते हैं। इससे मधुमक्खी पालन और छत्ते के प्रबंधन और रखरखाव के संबंध में मधुमक्खी पालकों के ज्ञान, आत्मविश्वास और व्यावहारिक कौशल में वृद्धि हुई है, जिससे आय, कार्य की गुणवत्ता और सामुदायिक कल्याण में सुधार हुआ है। एनबीएचएम से मधुमक्खी पालकों और दूसरे स्टेकहोल्डर्स की संतुष्टि, जानकारी, कस्टमर ओरिएंटेशन पर अच्छा प्रभाव पड़ा है और वे शहद प्रोसेसिंग में ज़्यादा कुशल बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, इससे क्रॉस-पॉलिनेटेड फसलों के पॉलिनेशन में मधुमक्खियों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने में भी मदद मिली है। स्टेकहोल्डर्स ने मधुमक्खी पालन को कृषि के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में समझना शुरू कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप मधुमक्खी पालकों और किसानों की आय में सुधार हुआ है, साथ ही बेरोजगार युवाओं और महिला सहभागियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

टीएनएयू, कोयंबटूर ने 15 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) (सेलम, ऊटी, तिरुवल्लूर, वेल्लोर, तिरुवरूर, त्रिची, मदुरै, विरुधुनगर, धर्मपुरी, कन्याकुमारी, तिरुपुर, पुडुकोट्टई, विल्लुप्पुरम और रामनाथपुरम) में नारियल, सूरजमुखी, जिंजेली, मोरिंगा, धनिया और सब्जियों आदि सहित अधिदेशित फसलों की उपज और गुणवत्ता में सुधार पर मधुमक्खियों के प्रभाव पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन आयोजित किए हैं। प्रदर्शनों ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया कि प्रबंधित मधुमक्खी पॉलिनेशन ने पॉलिनेटर के विजिटेशन में काफी वृद्धि की, फल/बीज सेट में सुधार किया और इसके परिणामस्वरूप फसलों में प्रति हेक्टेयर उपज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (नारियल: 20-25%, सूरजमुखी: 15-18%, जिंजेली: 20-22%, मोरिंगा: 25-28%, धनिया: 20%, सब्जियां: 18-20%)।

(घ) और (ङ): एनबीएचएम के अंतर्गत कार्यान्वयन एजेंसियों (आईए) को परियोजना आधारित वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। तमिलनाडु में मधुमक्खी पालन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों को कैपिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजनाओं जैसे कन्याकुमारी जिले में एक मिनी शहद परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना, चेंगलपट्टू, वेल्लोर और विरुधुनगर जिलों में 03 कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी), वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर 318 प्रशिक्षण, 38 सेमिनार, मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण के लिए 37 महिला सशक्तिकरण स्वयं-सहायता समूह (एसएचजी) का गठन और 03 अनुसंधान और विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

*****